दैनिक

क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 02 अंकः 57, गुरुवार, 21 मार्च, 2019, पेजः 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

मोदी ने बनारस में एक भी वादा पूरा नहीं किया : प्रियंका

वाराणसी । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र पहुंची। इस दौरान उन्होंने मोदी पर एक भी वादा पूरा न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिर्फ प्रचार की राजनीति हो रही है। प्रियंका ने यहां कांग्रेस के कार्यकर्ता समागम (होली मिलन) में 2014 के भाजपा के बनारस से जुड़े घोषणा-पत्र को दिखाते हुए कहा, इसमें आठ वादे किए गए, पूरे एक भी नहीं हुए। प्रचार की राजनीति सरल है। इसे कोई भी कर सकता है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत काम करना है। आप सभी को अनुशासन सिखाना है। साथ ही बनारस से नई आजादी की लड़ाई लड़नी है। प्रियंका ने कहा, मैं रास्ते मे आ रही थी तो भाजपा के लोगों ने अपने पक्ष में नारे लगाए, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीटा भी। कांग्रेस ऐसी राजनीति नहीं करती है। हमने अंग्रेजों की पिटाई सही, लेकिन हाथ नहीं उठाया। सिर्फ सच को सामने लाया है। इसके पहले प्रियंका ने अस्सी घाट पर निषाद समाज के लोगों से बातचीत की। निषाद समाज के लोगों से उन्होंने कहा, कांग्रेस के सत्ता में आते ही निषाद समाज के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा। यह राहुल गांधी की प्राथमिकता में शामिल है। साथ ही निषाद समाज के लोगों की समस्या निवारण के लिए अलग से मंत्रालय बनाया जाएगा। कार्यक्रम से पहले उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में पांच वैदिक ब्राह्मणों के साथ बाबा की पूजा की। इसके पहले उन्होंने दशाश्वमेध घाट पहुंच कर गंगा पूजन और मां गंगा की आरती भी की। प्रियंका की मौजूदगी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय की बहू अमृता पांडेय, भाजपा के पूर्व पार्षद ओमप्रकाश चौरसिया सहित एक दर्जन लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

लोकसभा चुनावें की तैयारियां जोरों पर, लोगों को दी जा रही ईवीएम और वीवीपैट की जानकारी

कठुआ । लोकसभा चुनावों के चलते ई.वी.एम. के साथ साथ वी.वी.पैट. के संचालन की जानकारी देने के मकसद से मुखर्जी चौक में जागरूकता शिविर लगाया गया। जिसमें विभागीय टीम ने ई.वी.एम. के साथ साथ वी.वी.पैट. को प्रदर्शित करते हुए इसके संचालन की जानकारी दी। विभाग की ओर से तैनात कर्मियों ने लोगों को बताया कि किस तरह से इन दोनों मशीनों का काम लोकसभा चुनाव के चलते मतदान में होगा। आपको बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है कि यहां लोकसभा चुनावों में दोनों की मशीनों का इस्तेमाल होगा। ई.वी.एम. का म तदान को लेकर ब टन दबने के साथ ही मतदाता ने किसको वोट दिया है, इसकी जानकारी वी.वी.पैट. के बाक्स में पर्ची के माध्यम से स्टोर हो जाएगा। ताकि बाद में किसी तरह की आपत्ति पर कोर्ट के आदेशों पर इसकी जांच करना भी संभव हो पाएगा।

चौकीदारों को मोदी का संबोधन

25 लाख चौकीदारों को मोदी का संबोधन, कहा- मेरा नाम लेकर गाली देने की विपक्ष में हिम्मत नहीं

नई दिल्ली ।

देशभर में चौकीदार शब्द पर सियासत आकर टिक गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खुद को देश का चौकीदार बताने पर विपक्ष ने उन पर निशाना साधा और कहा कि चौकीदार चोर है। इसी बीच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 लाख चौकीदारों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके साथ होली मनाकर मैं खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। चाहे टीवी हो या ट्वीटर, देश हो या विदेश, गांव हो या शहर हर जगह चौकीदार शब्द की ही गूंज है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश चौकीदार होने की शपथ ले रहा है और कह रहा है। पीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, मैं आप सभी चौकीदारों से माफी मांगता हूं क्योंकि कुछ लोगों ने अपने निजी स्वार्थ के लिए बिना कुछ सोचे-समझे गाली-गलौच करना शुरू कर दिया है और चौकीदार को चोर कह दिया और चौकीदारों की तपस्या के सामने सवालिया निशान खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि नामदार लोग गाली देने के और रास्ते खोज रहे हैं और विपक्ष में मेरा नाम लेकर गाली देने की हिम्मत नहीं। पीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीबों की परेशानियों को दूर करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आयुष्मान योजना ने गरीबों को बीमारी से लडने की ताकत दी है, इलाज के लिए किसी के आगे हाथ नहीं फैलाना होगा। जो देश के लिए काम करता है वो चौकीदार है।

बसपा नेता चन्द्र प्रकाश मिश्रा भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी के नेता चन्द्र प्रकाश मिश्रा बुधवार को यहां भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये। मिश्रा ने भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री जे पी नड्डा तथा स्मृति ईरानी की मौजूदगी में यहां भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मिश्रा ने वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और कांग्रेस उम्मीदवार राहुल गांधी के विरुद्ध 16.85 प्रतिशत वोट हासिल कर दूसरे स्थान पर रहे थे । पार्टी में मिश्रा का स्वागत करते हुये ईरानी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमेठी के चहुंमुखी विकास को देखते हुए मिश्रा ने भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया ।

बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा को हाईकोर्ट से राहत, आपराधिक प्रकरण की सुनवाई पर लगी रोक

जबलपुर । मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता संबित पात्रा के खिलाफ भोपाल जिला न्यायालय में चल रहे आपराधिक प्रकरण की सुनवाई पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति जी पी गुप्ता की एकलपीठ ने पिछले साल विधानसभा चुनाव के पहले के इस मामले में भोपाल जिला न्यायालय में चल रहे प्रकरण की सुनवाई पर रोक लगा दी है। विधानसभा चुनाव के दौरान श्री पात्रा ने 27 अक्टूबर को भोपाल के एमपी नगर स्थित प्लॉट नम्बर 1 में पत्रकार वार्ता की थी। पत्रकार वार्ता के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक का समय निर्धारित था, लेकिन श्री पात्रा ने निर्धारित समय से पहले साढ़े 12 बजे ही पत्रकार वार्ता शुरू कर दी थी। इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए निर्वाचन अधिकारी एल एल अहिरवार ने उनके खिलाफ एमपी नगर थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। पुलिस ने धारा 188 के तहत प्रकरण दर्ज कर उनके खिलाफ अपराधिक प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया था। न्यायालय ने प्रकरण को खारिज किये जाने का आवेदन अस्वीकार करते हुए उनके खिलाफ अपराधिक प्रकरण में आरोप तय कर दिये थे। न्यायालय ने श्री पात्रा की व्यक्तिगत उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए उनके खिलाफ जमानती वारंट भी जारी किया था, जिसके खिलाफ उन्होने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

सात दशक में लोकसभा में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 7प्रतिशत बढ़ी, वैश्विक औसत से अभी भी पीछे

नई दिल्ली।

पहली लोकसभा में महिलाओं सांसदों की संख्या सदन की कुल सदस्य संख्या का 4.4 प्रतिशत थी जो 2014 में बढ़कर करीब 11 प्रतिशत हो गई। हालांकि यह अभी भी वैश्विक औसत 20 प्रतिशत से काफी कम है। पहली लोकसभा में निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या 489 थी जबकि 16वीं लोकसभा में कुल सदस्य संख्या 543 थी। अब तक के सभी लोकसभा चुनाव परिणामों पर गौर करें तो महिला सदस्यों की संख्या सदन की कुल सदस्य संख्या के 3.4 प्रतिशत से 11.2 प्रतिशत के बीच रही है। पहले आम चुनाव के बाद गठित पहली लोकसभा से लेकर 16वीं लोकसभा तक महिला सांसदों की संख्या 19 से 62 के बीच रही है। जहां पहली लोकसभा में 22 महिलाएं जीतकर आई थी वहीं, 1977 में छठी लोकसभा में सबसे कम 19 महिलाएं (3.4 फीसदी) जीती। पिछले लोकसभा चुनाव के बाद गठित 16वीं लोकसभा में महिला उम्मीदवारों की संख्या 62 (करीब 11 प्रतिशत) रही। राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े वादों के बावजूद पहली लोकसभा से लेकर अब तक सदन में महिलाओं की मौजूदगी निराशाजनक रही है। हालांकि इस बार ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार के रूप में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल प्रमुख एवं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए कहा है कि इस सूची में 40.5 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं तथा सूची में 17 महिला उम्मीदवारों के नाम हैं। पार्टी ने पिछले चुनावों की तुलना में पांच ज्यादा महिलाओं को प्रत्याशी बनाया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीजद और तृणमूल कांग्रेस की इस पहल के कारण भाजपा, कांग्रेस, वामदल सहित प्रमुख दलों पर आसन्न लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों को

अधिक संख्या में टिकट देने का दबाव बढ़ गया है । पहली लोकसभा में 22 महिलाएं जीती थी जो सदन की कुल संख्या का 4.4 प्रतिशत थी । 1957 में दूसरी लोकसभा में 27 महिलाएं चुनकर आई थी जो कुल संख्या का 5.4 प्रतिशत थी , वहीं 1962 में तीसरी लोकसभा में 34 महिलाएं जीत कर आई जो 6.7 प्रतिशत थी । चौथी लोकसभा में 31 महिलाएं (5.9 प्रतिशत) जीत कर आई तो पांचवी लोकसभा में 22 महिला सदस्यों (4.2 फीसदी) ने जीत दर्ज की। वहीं, छठी लोकसभा में 19 महिलाएं (3.4 फीसदी), सातवीं लोकसभा में 28 महिलाएं (5.1 प्रतिशत), आठवीं लोकसभा में 44 महिलाएं ।

बसपा प्रमुख मायावती ने की बड़ी घोषणा, कहा-लोकसभा चुनाव लड़ने का इरादा नहीं

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों को विराम देते हुये बुधवार को कहा कि उनका चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन गठबंधन के प्रत्याशियों के लिये वह प्रचार जरूर करेंगी। मायावती ने बुधवार को कहा, कि मुझे लगता है कि मेरे चुनाव में खड़ा होने अथवा जीत हासिल करने से ज्यादा जरूरी गठबंधन की सफलता है। इसलिये मैने लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है लेकिन मैं पार्टी के लिए पूरे देश में प्रचार करूंगी। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए उत्तर प्रदेश में बसपा ने समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) का गठबंधन किया है। इस गठबंधन को तनिक भी नुकसान नहीं होना मेरी प्राथमिकता है। इसलिए मेरे खुद के जीतने से ज्यादा जरूरी एक-एक सीट को जीतना है। बसपा प्रमुख ने कहा कि अगर चुनाव के बाद जरूरी हुआ तो वह किसी भी सीट को खाली कराकर चुनाव लड़ सकती हैं और जीत भी सकती हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए ही यूपी में बसपा, सपा और आरएलडी का गठबंधन किया गया है। मैं इस गठबंधन को किसी भी कीमत पर थोड़ा सा भी नुकसान होते हुए नहीं देखना चाहती।

कांग्रेस अकेले पूर्वोत्तर के लोगों की रक्षा कर सकती है : राहुल

इंफाल ।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी अकेले पूर्वोत्तर के लोगों की संस्कृति, भाषा व इतिहास की रक्षा कर सकती है। उन्होंने नागरिकता (संशोधन) विधेयक 2016 को राज्यसभा में पारित होने से रोकने का दावा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह और उनकी पार्टी विधेयक का विरोध जारी रखेंगे। उन्होंने मणिपुर में एक रैली में लोगों को याद दिलाया कि मोदी ने जो भी क्षेत्र के आठ राज्यों के लिए किया है, वह मनमोहन सिंह के लुक ईस्ट नीति का नाम एक्ट ईस्ट करके किया है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि नाम के अलावा उन्होंने कोई प्रगति नहीं की है। उन्होंने प्रधानमंत्री के हर साल दो करोड़ रोजगार पैदा करने के वादे की निंदा की और इसके बजाय बीते पांच सालों में हर रोज 30,000 रोजगार नष्ट करने को लेकर हमला बोला। राहुल ने मोदी के नोटबंदी के कदम को लेकर उनका मजाक बनाया। उन्होंने कहा, एक सुबह प्रधानमंत्री उठे और उन्होंने कहा कि मैं 500 व 1000 रुपये के नोटों को पसंद नहीं करता। इन नोटों को बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बैंक की लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, लेकिन यह शासन व्यवस्था के लिए कोई मायने नहीं रखता। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बारे में राहुल गांधी ने कहा कि इसे मोदी के धनवान मित्रों को फायदा पहुंचाने के लिए शुरू किया गया, जबकि छोटे व मध्यम व्यापारियों की इससे कमर टूट गई। लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब भी मोदी कुछ कहते हैं, ।

कश्मीर : बंद से जनजीवन प्रभावित

श्रीनगर ।

अलगाववादियों की ओर से यहां एक युवक की मौत के विरोध में बुलाए गए बंद से बुधवार को कश्मीर घाटी में जनजीवन प्रभावित रहा। युवक की पुलिस हिरासत में सोमवार को मौत हो गई थी। दक्षिण कश्मीर के अवंतीपोरा से गिरफ्तार किए जाने के तीन दिन बाद श्रीनगर में पुलिस हिरासत में रिजवान असद पंडित (28) की मौत हो गई। युवक की हिरासत में मौत की निंदा कश्मीर के राजनीतिक व सामाजिक हलकों में की गई। युवक एक निजी स्कूल में शिक्षक था। अधिकारियों ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 176 के तहत मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए गए हैं। दुकानें, सार्वजनिक परिवहन व दूसरे व्यापारिक व शैक्षिक संस्थान श्रीनगर शहर में व घाटी के अन्य जिला मुख्यालयों में बंद रहे। श्रीनगर शहर में इक्का-दुक्का वाहन चले। अंतर-जिला परिवहन बंद रहे। अधिकारियों ने घाटी में कानून व व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस व अर्धसैनिक बलों की भारी संख्या में तैनाती की है। दक्षिण कश्मीर के जिलों में मोबाइल व इंटरनेट सुविधाएं निलंबित की गई है, जबकि घाटी के अन्य हिस्सों में इसकी गति में कमी की गई है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे के मोदी विरोधी रूख से राकांपा का होगा फायदा

नेशनल डेस्क।

राकांपा का मानना है कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मनसे प्रमुख राज ठाकरे के हमले से आगामी लोकसभा चुनावों में खासकर महाराष्ट्र के शहरी इलाकों में कांग्रेस-राकांपा गठबंधन को फायदा होगा। ठाकरे ने बुधवार को राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की ।

मोदी और बाकी देश के बीच मुकाबला

मनसे प्रमुख ने मंगलवार को अपनी अपील में कहा था कि लोकसभा चुनाव में मोदी और बाकी देश के बीच का मुकाबला है। उल्लेखनीय है कि 2014 के चुनाव में मनसे कोई भी सीट नहीं जीत पायी थी। उस साल विधानसभा चुनाव में पार्टी केवल एक सीट जीत पायी थी। महाराष्ट्र में अगले महीने चार चरण में मतदान होगा। धुले से भाजपा के बागी विधायक अनिल गोटे ने बुधवार को पवार से मुलाकात की। गोटे ने पवार से कहा कि उनका एकमात्र मकसद केंद्रीय मंत्री और भाजपा के स्थानीय सांसद सुभाष भामरे को हराना है ।

ठाकरे और पवार ने की मुलाकात

विधायक ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पवार से मदद नहीं मांगी बल्कि राकांपा प्रमुख को अपने रूख से वाकिफ करा दिया। ठाकरे और पवार के बीच मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर राकांपा के एक नेता ने कहा कि यह मुलाकात हमारी पार्टी के लिए शुभ संकेत है। कई शहरी क्षेत्रों में मनसे का प्रभाव है। मनसे औपचारिक रूप से प्रस्तावित गठबंधन का हिस्सा नहीं है लेकिन ठाकरे के कल के रूख से हमें फायदा होगा।

कांग्रेस-बीजेपी कार्यकर्ता भिड़े, प्रियंका ने शास्त्री की मूर्ति पर चढ़ाई माला, भाजपाइयों ने किया शुद्धिकरण

नई दिल्ली ।

कांग्रेस महासचिव बुधवार को मोदी के लोकसभा हलके वाराणसी के दौरे पर पहुंचीं। इस दौरान जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया, वहीं बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। वाराणसी में सबसे पहले प्रियंका ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। हालांकि उनके जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शास्त्री की मूर्ति का गंगाजल से शुद्धिकरण किया। बता दें कि वाराणसी के रामनगर में जब प्रियंका गांधी पहुंची तो जोरदार हंगामा भी हुआ। प्रियंका के इस कार्यक्रम के दौरान नारों को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में बहस हो गई। बहस इतनी जोरदार थी कि दोनों गुटों के बीच हाथापाई की नौबत आ गई थी। प्रियंका गांधी तीन दिन के पूर्वोत्तर के तूफानी दौरे पर हैं। इस बीच उन्होंने प्रयागराज, मिर्जापुर और वाराणसी का दौरा किया। इस बीच उन्होंने प्रयागराज, मिर्जापुर और वाराणसी का दौरा किया। प्रियंका आज काशी विश्वनाथ मंदिर में भी पूजा-अर्चना करेंगी. प्रियंका के तीन दिवसीय दौरे का आज ही आखिरी दिन भी है। 140 किमी. के अपने इस दौरे के दौरान प्रियंका लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर रहीं। पहले उन्होंने कहा कि 56 इंच की छाती वाले युवाओं को रोजगार नहीं दे पा रहे हैं, इनकी सरकार एक दुर्बल सरकार है। बुधवार को ही प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्लॉग पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि ये लोग जितना हमें प्रताड़ित करेंगे, उतनी ही मजबूती से वह लड़ेंगे। प्रियंका ने कहा था कि प्रधानमंत्री को जनता मूर्ख नहीं बनाना चाहिए।

संपादकीय

गोवा की विसंगति

मंगलवार के समाचारपत्रों में प्रकाशित मनोहर परिकर की अंतिम यात्रा के चित्र के साथ गोवा में नई सरकार बनने की खबर ने हर संवेदनशील इनसान को विचलित किया। राजनीति कितनी निष्ठुर होती है कि एक तरफ परिकर के सम्मान में राष्ट्रीय शोक था और दूसरी तरफ देर रात मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह। जो बताता है कि विशुद्ध राजनीति में संवेदनाओं की कोई जगह नहीं होती। विपक्षी कांग्रेस और सत्तारूढ़ दल की तरफ से अंतिम सांसें गिन रहे परिकर के रहते ही सरकार बनाने और बचाने को लेकर जो प्रपंच व राजनीति होती रही, वह मानवीय मूल्यों का अतिक्रमण करती नजर आती है। पहले भी जब मनोहर परिकर को नाक में जीवनरक्षक नली लगी अवस्था में जनवरी में बजट पेश करते देखा गया या किसी लोककल्याण के कार्यक्रम का उद्घाटन करते देखा गया तो सवाल उठा कि लाइलाज बीमारी से जूझ रहे और लगातार क्षीण होते शरीर वाले मनोहर परिकर को क्या चैन से अंतिम समय बिताने का अधिकार नहीं था? ये घटनाक्रम हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोर देने वाला है कि सत्ता की राजनीति कितनी निर्मम होती है। निःसंदेह संख्या बल की विसंगतियों के चलते गठबंधन सरकार पर सदैव संकट के बादल मंडराते रहे। मगर जीवन और मृत्यु के बीच झूल रहे व्यक्ति को न कांग्रेस ने बख्शा, न सत्तारूढ़ दल ने। बहरहाल, नाटकीय घटनाक्रम और बागी तेवर दिखाने वाले गठबंधन के सहयोगियों ने सत्ता की बंदरबांट में हिस्सेदारी हासिल करके विधानसभा के स्पीकर प्रमोद सांवत को राज्य का नया मुख्यमंत्री मान लिया। रात पौने दो बजे के करीब उन्होंने राजभवन में शपथ ली। साथ ही ग्यारह विधायकों को भी मंत्रिपद की शपथ दिलाई गई, जिसमें महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी व गोवा फॉरवर्ड पार्टी के विधायक भी शामिल रहे। सरकारें बनती आई हैं और बनती रहेंगी, लेकिन मनोहर परिकर जैसा सहज, सरल, समर्पित व स्पष्टवादी राजनेता गोवा को शायद ही नसीब हो। साढ़े तीन दशक के बेदाग राजनीतिक जीवन में एक कुशल प्रशासक तथा संवेदनशील राजनेता के रूप में उनकी छवि अतुलनीय है। इस बात का उन्हें गहरे से एहसास था कि रोग लाइलाज है मगर फिर भी उन्होंने अपना जीवन उसी के अनुरूप ढाल लिया। काया के पराभव के साथ उनका मनोबल ऊंचा होता गया। वे दक्षिणपंथ में उदारवाद का प्रतिनिधि चेहरा थे। अस्पताल में भर्ती होकर भी सरकारी कामकाज की फाइलें निपटाते तथा लोगों की मदद से लोक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करते देश ने उन्हें देखा। उनमें प्रचार की संकीर्ण आकांक्षा नहीं थी। कर्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी तथा सार्वजनिक जीवन में संघर्ष की वे ऐसी लकीर खींच गये, जिसे न छोटा किया जा सकेगा और न ही मिटाया जा सकेगा।

इस बात का उन्हें गहरे से एहसास था कि रोग लाइलाज है मगर फिर भी उन्होंने अपना जीवन उसी के अनुरूप ढाल लिया। काया के पराभव के साथ उनका मनोबल ऊंचा होता गया। वे दक्षिणपंथ में उदारवाद का प्रतिनिधि चेहरा थे। अस्पताल में भर्ती होकर भी सरकारी कामकाज की फाइलें निपटाते तथा लोगों की मदद से लोक कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत करते देश ने उन्हें देखा।

वे भी चौकीदार

राजनीति/ कुमार नरेन्द्र सिंह

प्रधानमंत्री के इस अभियान को तो केवल वही सच समझ सकता है, जो पिछले साल-दो साल में सुर्खियां बनी घटनाओं से अनजान हो या उनकी वाक्पटुता के प्रति पूरी तरह अनुरक्त हो। आखिर एक ''पूरी तरह मुस्तैद चौकीदार' पुलवामा में हुए अब तक के सबसे भयानक आतंकवादी घटना को कैसे नहीं रोक सका, जबकि कश्मीर में सुरक्षा बलों की जबर्दस्त तैनाती है? फिर ''पूर्ण रूप से मुस्तैद चौकीदार' ने नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल ''भाई' को देश से हजारों करोड़ रु पये लेकर कैसे भागने दिया?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ''मैं भी चौकीदार' वाला जो नया अभियान चलाया है, उसे न तो मजाक समझा जाना चाहिए और न ही एक और जुमला, क्योंकि ऐसी समझदारी उसमें अंतर्निहित खतरे को अनदेखा कर देती है। नरेन्द्र मोदी की देखादेखी उनके अनेक मंत्री भी अपने को चौकीदार करार देने लगे हैं। यह अलग बात है कि उनके कर्मो-कुकर्मो से हमारे देश की सभ्यता-संस्कृति का कई बार अपमान हुआ है। इसलिए इस अभियान की वास्तविक मंशा और उसमें निहित खतरे को समझना जरूरी है। सवाल है कि मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को ''मैं भी चौकीदार हूं' अभियान चलाने की आखिर वजह क्या है और इस अभियान के जरिए वे किसे निशाना बना रहे हैं या इसकी मंशा रखते हैं? यह जानने के लिए इस ताजा अभियान के अलावा उनके हालिया बयानों को परखना होगा।नरेन्द्र मोदी के ''मैं भी चौकीदार हूं' अभियान के पीछे जो पहला और स्पष्ट कारण नजर आता है, वह है कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा चलाए गए ''चौकीदार चोर है' अभियान की धार को कुंद करना। मोदी और भाजपा की आंखों से यह तय ओझल नहीं था कि राहुल का यह अभियान विकास के उनके तमाम दावों को खोखला और झूठा साबित करने में कामयाब हो सकता है। अन्यथा नहीं कि प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाने के बदले ''मैं भी चौकीदार हूं' अभियान के जरिए लोक सभा चुनावों में उतरने का फैसला किया है। नरेन्द्र मोदी के ''मैं भी चौकीदार हूं' वाले ट्वीट के साथ तीन मिनट 45 सेकेंड का एक म्यूजिक वीडियो भी है, जिसमें वह यह कहते दिखायी देते हैं ''निश्चिंत रहो, आपका चौकीदार सावधान है'। प्रधानमंत्री के इस अभियान को तो केवल वही सच समझ सकता है, जो पिछले साल-दो साल में सुर्खियां बनी घटनाओं से अनजान हो या उनकी वाक्पटुता के प्रति पूरी तरह अनुरक्त हो। आखिर एक ''पूरी तरह मुस्तैद चौकीदार' पुलवामा में हुए अब तक के सबसे भयानक आतंकवादी घटना को कैसे नहीं रोक सका, जबकि कश्मीर में सुरक्षा बलों की जबर्दस्त तैनाती है? फिर ''पूर्ण रूप से मुस्तैद चौकीदार' ने नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल ''भाई' को देश से हजारों करोड़ रु पये लेकर कैसे भागने दिया? प्रधानमंत्री मोदी ने चौकीदार की जो नई परिभाषा गढ़ी है, उसके अनुसार अब केवल रखवाली करना ही चौकीदार का काम नहीं है, बल्कि अब उसमें भ्रष्टाचार, गंदगी और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ने की जिम्मेदारी भी शामिल हो गयी है। इस तर्क से तो प्रशांत भूषण, अरु ण शौरी, यशवंत सिन्हा को भी चौकीदार कहा जाना उचित होगा, क्योंकि आखिरकार वे भी तो विवादित राफेल सौदे में बड़ी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर करने का प्रयास कर रहे हैं। फिर उन पत्रकारों और आरटीआई कार्यकर्ताओं के बारे में क्या कहा जाए जिन्हें पिछले पांच वर्षो के दौरान शीर्ष पदों पर होनेवाले भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने के एवज में अपनी जान गंवानी पड़ी। क्या मोदी उन्हें भी चौकीदार मानने को तैयार हैं? क्या सभी के लिए चौकीदारी का समान मानदंड है? कतई नहीं,क्योंकि यदि मोदी और उनके समर्थक भ्रष्टाचार, गंदगी के खिलाफ लड़ाई लड़ें तो वह चौकीदारी है। लेकिन यही काम कोई दूसरा करे तो गद्दारी है। यह समझदारी हास्यास्पद और विडंबनात्मक है।क्या मोदी की नजर में स्वामी सदानंद भी चौकीदार थे, जो गंगा की सफाई के प्रति सरकार की उदासीनता के खिलाफ लड़ते हुए अपनी जान दे दी?क्या स्वामी अग्निवेश, पनसारे, दाभोलकर आदि को भी वह चौकीदार मानेंगे, जिन्हें सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ने के एवज में अपमानित किया गया और जान भी गंवानी पड़ी? ''मैं भी चौकीदार हूं' वाले वीडियो में एक गाना बजता है, जिसके बोल हैं।''ये देश ये मेरा वतन, ये मेरा घर मेरा चमन सबका विकास चाहता और चाहता हूं बस अमन'। क्या यह गीत गाने का अधिकार उन लोगों को मिलना चाहिए, जिन्होंने पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद देश के अन्य हिस्सों में रहनेवाले कश्मीरियों पर हमले किए और अपने होटलों तथा रास्तरां के बाहर तख्ती लगा दी कि ''कुत्तों को इजाजत है, लेकिन कश्मीरियों को नहीं'। ऐसे तमाम लोग मोदी के ही समर्थक थे। ऐसी चौकीदारी किस काम की, जो अपने देश के लोगों को कुत्तों से गया-गुजरा समझे। आज जो ''मैं भी चौकीदार हूं' का राग अलाप रहे हैं, उनमें अधिकतर वही हैं जो पुलवामा का बदला आम कश्मीरियों से लेने के पैरोकार थे। जबकि महंगाई से जनता त्रस्त है, भुखमरी से लाचार है, किसानों की आत्महत्या की रफ्तार थम नहीं रही, महिलाएं, अल्पसंख्यकों और दलितों के खिलाफ अत्याचार रोज-रोज बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में आपकी चौकीदारी किस काम की! यह मोदी की आत्ममुग्धता की पराकाष्ठा है कि वह केवल स्वयं को ही सच्चा, ईमानदार और देशभक्त समझते हैं और जो उनकी हां में हां न मिलाए या सवाल करे, वह गद्दार हो जाता है। दरअसल, मोदी ने असली चौकीदारों की जिंदगी देखी ही नहीं है। उन्हें समझना चाहिए कि उनके बच्चे आज भी स्कूल नहीं जा पाते। उनके तन पर न ठीक से कपड़ा होता है और न कोई सुविधा। महीने भर 12 घंटे की ड्यूटी करने के बावजूद उन्हें भरपेट खाना तक नसीब नहीं होता। अगर आपको व आपके समर्थकों को चौकीदार बनने का इतना ही शौक है, तो ज्यादा नहीं केवल एक सप्ताह उनकी स्थिति में रह कर देखिए आटा-दाल का भाव मालूम हो जाएगा। भाजपा समर्थकों से पूछा जाना चाहिए कि क्या वे अपने बच्चों को चौकीदार बनाएंगे? मोदी ने ऐसी चौकीदारी की कि देश का 79 प्रतिशत धन एक प्रतिशत की जेब में पहुंच गया। लघु-मंझोले उद्योगों के हिमायती बनकर उन्होंने दोनों को तबाह कर दिया। चौकीदार बनकर मोदी ने लाखों नौकरियां खत्म कर दीं। अभी हाल ही उन्होंने पूंजीपतियों और कॉरपोरेट घरानों के 41 हजार करोड़ रु पये एनपीए में डाल दिए। अब आप ही बताइए कि आपको चौकीदार कैसे कहा जाए! देश तब आगे बढ़ता है, जब प्रधानमंत्री अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों का ईमानदारी से वहन करता है। लेकिन दुर्भाग्य कि मोदी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान से खिलवाड़ को ही चौकीदारी बता रहे हैं।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

आंकड़ों की बाजीगरी से सच पर पर्दा

विश्वनाथ सचदेव

राजनेता भले ही कहते रहें कि आंकड़े सच नहीं बोलते, पर सच यह है कि आंकड़ों से डरते जरूर हैं राजनेता। जब उन्हें आंकड़ों की मदद की ज़रूरत होती है तो उनका सहारा भी ले लेते हैं वे, पर वे जानते हैं कि आंकड़े उनका झूठ उजागर कर सकते हैं। बड़ी आसानी से हमारे राजनेता उन आंकड़ों को 'गलत' या 'भ्रामक' बता देते हैं जो उनके हितों के प्रतिकूल होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब कोई सरकार आंकड़े इकट्ठे करने वाले अपने ही किसी संस्थान को गैरज़रूरी करार देती है। हालिया उदाहरण नेशनल सैम्पल सर्वे आफिस (एनएसएसओ) का है। हमारा यह संस्थान सालों से राष्ट्रीय महत्व के आंकड़े एकत्र करने का काम करता रहा है। इसी के माध्यम से देश को अपनी उपलब्धियों, अनुपलब्धियों का नमूना मिलता रहा है। पर सरकार ने वर्ष 2017-18 को इसके आंकड़ों को एक तरह से खारिज कर दिया है। इस संबंध में संस्थान की रिपोर्ट को जारी न करने का निर्णय ले लिया गया है। वास्तव में निर्णय पिछले पांच साल के बेरोज़गारी के आंकड़ों के बारे में है। इसका मतलब यह है कि बेरोज़गारी का बोझ आज देश भले ही सह रहा हो, पर उसे यह जानने का अधिकार नहीं है कि कितना बोझ है उसके कंधों पर। सरकार के इस रवैये से नाराज होकर संस्थान के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्तीफे दे दिये थे। वे इसे पारदर्शिता की अस्वीकार्य स्थिति मानते थे पर हमारी सरकार इस बारे में मौन है। जो स्थिति सरकार छिपाना चाहती है, वह यह है कि वर्ष 2017-18 में देश में बेरोज़गारी 6.1 प्रतिशत थी और पांच साल पहले यानी 2011-12 में यह प्रतिशत सिर्फ 2.2 प्रतिशत थी। सवाल यह नहीं है कि बेरोज़गारी घटी या बढ़ी, सवाल यह है कि ये आंकड़े छिपाकर कोई भी सरकार क्या वस्तुस्थिति को झुठला सकती है? ज्ञातव्य है कि इस दौरान सरकार 'मुद्रालोन' और 'स्टार्टअप' आदि का हवाला देकर यह बताने की कोशिश करती रही है कि इस प्रकार के ऋण गैर सरकारी क्षेत्र में रोज़गार के बढ़ने का प्रमाण है। हमारे मंत्री पकोड़े बनाकर बेचने का उदाहरण देकर गैर पारम्परिक क्षेत्रों में अवसरों के बढ़ने का 'प्रमाण' देते रहे हैं और प्रधानमंत्री आयकर-विवरणिका की संख्या में बढ़ोतरी को रोजगार की बेहतर स्थिति का प्रमाण मान रहे हैं। मान लेते हैं कि मंत्रियों और प्रधानमंत्री की बात में कुछ दम है, लेकिन एनएसएसओ जैसी संस्था का अवमूल्यन करके सरकार क्या संकेत दे रही है? लगभग एक महीना पहले सरकार ने एनएसएसओ के बेरोज़गारी के आंकड़ों को अस्वीकार किया था। इसका मतलब संस्थान के काम में अविश्वास प्रकट करना ही नहीं था, इस प्रकार के संस्थानों की आवश्यकता और उसके महत्व को कम करना भी था। इसी 14 मार्च को देश के 108 अर्थशास्त्रियों ने एनएसएसओ जैसी संस्थाओं की स्वतंत्रता को बहाल करने की मांग करते हुए सरकार को एक प्रतिवेदन भेजा है। अभी तक सरकार की ओर से इस बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है।

'पुरस्कार वापसी गैंग' की तरह ही देश के इन सौ से अधिक अर्थशास्त्रियों को भी किसी गैंग का नाम दिया जा सकता है। वैसे भी हमारे प्रधानमंत्री बहुत पहले ही 'हॉर्वर्ड के विद्वानों' की जगह 'हार्डवर्क' करने वालों को ज्यादा महत्वपूर्ण बता चुके हैं। लेकिन इन 108 अर्थशास्त्रियों समाजशास्त्रियों के प्रतिवेदन को अस्वीकार करने अथवा इसकी अवहेलना का मतलब देश के सोचने-समझने वाले, पढ़े-लिखे तबके को नकारना है।

पारदर्शिता किसी भी व्यवस्था के औचित्य की सबसे यह महत्वपूर्ण शर्तों में से एक है। जब एनएसएसओ जैसे स्वतंत्र संस्थान पर राजनीतिक दृष्टिकोण हावी होने की कोशिश करें तो उनका होना ही सवालों के घेरे में आ जाता है। ऐसे संस्थानों के आंकड़ों के आधार पर देश की आर्थिक नीतियां और विदेशों में देश की साख निर्भर करती है। ऐसे में एनएसएसओ की रिपोर्ट की यह अनदेखी देश की साख को गिराने का काम ही करेगी। हमारे देश में पिछले एक अर्से से हम रिजर्व बैंक, सीबीआई, और उच्चतम न्यायालय के संदर्भ में इस स्वतंत्रता को लेकर उठे सवालों को देख रहे हैं। इसलिए देश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के 108 अर्थशास्त्रियों समाजशास्त्रियों की चेतावनी को सही अर्थों में लिया जाना चाहिए।

यह सही है कि आम चुनाव सिर पर हैं। कोई भी सरकार ऐसे समय में अप्रिय सत्यों को स्वीकार करना नहीं चाहेगी। लेकिन इस बात को भी समझा जाना ज़रूरी है कि आंख बंद कर लेने से भय का कारण दूर नहीं हो जाता। जनतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं का तकाज़ा है कि मतदाता से सच न छिपाया जाये। आंकड़े छुपाकर या आंकड़े बदलकर इस भीड़ की समस्या का समाधान नहीं हो सकता। जुमलों की राजनीति करने वालों को ज़मीनी सच्चाई की ज़रूरत कब महसूस होगी?

विश्व कप और आईपीएल में खिलाड़ियों के धर्मसंकट

शिवेंद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ खेल पत्रकार

आईपीएल हर साल खेला जाता है, जबकि विश्व कप चार साल में एक बार। आईपीएल शुरू होने के चंद घंटे पहले सिर्फ इसी लाइन को लेकर विवाद है। आईपीएल के कुछ ही दिनों बाद टीम इंडिया को 2019 विश्व कप के लिए इंग्लैंड रवाना होना है। आईपीएल में टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी अलग-अलग 'फ्रेंचाइजी' के लिए मैदान में उतरेंगे। इसमें टीम के कप्तान विराट कोहली, उप-कप्तान रोहित शर्मा और थिंक टैंक महेंद्र सिंह धौनी भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को अपनी-अपनी 'फ्रेंचाइजी' के लिए 14-14 मैच खेलने होते हैं। प्लेऑफ क्वालीफाई करने की सूरत में मैचों की संख्या बढ़ जाती है। चूंकि ये मैच अलग-अलग शहरों में खेले जाते हैं, इसलिए मैदान में बहाए गए पसीने के अलावा सफर का समय भी जोड़ लीजिए। अभी-अभी टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज खेली है। उससे पहले टीम लगातार विदेश दौरे पर थी। इन सारी बातों के मद्देनजर डर इस बात का है कि कहीं इस साल का आईपीएल खिलाड़ियों को 'बर्न-आउट' न करा दे। खिलाड़ी इतना न थक जाएं कि उनमें विश्व कप में सौ फीसदी देने का दमखम ही खत्म हो जाए। इससे बड़ा खतरा लगातार खेलने की वजह से चोट लगने का है। किसी भी खेल में चोट से खिलाड़ी बच नहीं सकता, पर विश्व कप के पहले इस तरह के टूर्नामेंट में लगातार खेलना खिलाड़ी को चोट की गिरफ्त में डाल सकता है। इस बड़ी समस्या का हल विराट कोहली ने समझाया। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी खुद फैसला करे कि उसे कितने मैच खेलने हैं और कितने नहीं। इसके अलावा, वह जितने मैच खेल भी रहा है, उनमें भी 'स्मार्टली' यानी सूझबूझ से खेले। विराट शायद यह कहना चाह रहे हैं कि जिस गंभीरता से खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलते हैं, उतनी गंभीरता दिखाने की जरूरत आईपीएल के मैचों में नहीं है। पर क्या उनके ये सुझाव व्यावहारिक हैं? किसी गेंदबाज के पास से अगर गेंद निकल रही है, तो वह उसे रोकने के लिए जी-तोड़ कोशिश करेगा ही। ऐसी ही कोशिश में विराट कोहली खुद एक बार चोट खा चुके हैं। इसके अलावा, तेज गेंदबाज को भी अपने पूरे दमखम के साथ गेंदबाजी करनी होगी। वह आईपीएल के चार ओवर धीमी रफ्तार से गेंदबाजी नहीं कर सकता है। मोटी बात यह है कि अगर खिलाड़ी एक बार मैदान में उतर गया, तो फिर उसे अपना सौ फीसदी देना ही होगा। मामला उसकी साख का भी है, क्योंकि अगले साल वापस उसे आईपीएल में खेलना है। इस संदर्भ में आईपीएल की 'फ्रेंचाइजी' का गणित समझना भी जरूरी है। सभी 'फ्रेंचाइजी' ने अच्छी-खासी रकम खर्च करके खिलाड़ियों को खरीदा है। बाप बड़ा न भईया, सबसे बड़ा रुपइया की तर्ज पर खेले जाने वाले आईपीएल में 'फ्रेंचाइजी' इस बात के लिए शायद ही तैयार होगी कि बड़े खिलाड़ी सिर्फ सात-आठ मैच खेलें। उन्होंने अपनी टीम बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं और अब उन्हें उन पैसों की वसूली करनी है। उन्हें विश्व कप से कहीं पहले इस बात से मतलब है कि उनकी टीम आईपीएल में कैसा प्रदर्शन करती है। उन्हें जीत चाहिए। खिलाड़ी भी खुलकर यह बात नहीं कह सकता है कि वह सारे मैच नहीं खेलेगा, क्योंकि उसने बाकायदा करार किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मुकाबले आईपीएल में खिलाड़ियों पर प्रदर्शन का दबाव भी काफी ज्यादा होता है, क्योंकि उनके बैंक बैलेंस का सीधा रिश्ता सीजन दर सीजन उनके प्रदर्शन से है। यूं तो आईपीएल बीसीसीआई का ही टूर्नामेंट है।

बीसीसीआई चाहे, तो कोई बीच का रास्ता निकाला जा सकता है, जिसमें खिलाड़ी और 'फ्रेंचाइजी' के संबंध भी खराब न हों और खिलाड़ियों पर भी अतिरिक्त दबाव न रहे। लेकिन इसके लिए जिस इच्छाशक्ति की जरूरत है, वह फिलहाल बोर्ड में कभी दिखी नहीं। लिहाजा जहां से हमने बात शुरू की थी, वहीं लौट आते हैं। बीसीसीआई और 'फ्रेंचाइजी' को यह समझाने की जरूरत है कि आईपीएल हर साल होता है, लेकिन विश्व कप चार साल में एक बार। खुदा न खास्ता किसी खिलाड़ी को इस सीजन में चोट लग गई, तो आईपीएल को कोसने वालों की फौज सामने खड़ी मिलेगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ब्राजील को ''बड़ा गैर-नाटो सहयोगी'' बनाने के लिए बेताब ट्रंप

लॉस एंजलिस।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ब्राजील को एक ''बड़े गैर-नाटो सहयोगी'' के रूप में नामित करना चाहते हैं। इस कदम का मकसद ब्राजील के साथ अमेरिका के संबंधों को मजबूत करना है जिसके साथ चीन ने हालिया वर्षों में संबंधों में काफी सुधार किया है। ट्रंप ने यहां यात्रा पर आए ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के साथ व्हाइट हाउस में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, ''हमारे बीच आज बैठक शानदार रही। जैसा कि मैंने राष्ट्रपति बोलसोनारो को भी बताया है, मैं ब्राजील को एक बड़ा गैर-नाटो सहयोगी नामित करना चाहता हूं और यदि संभव हुआ, तो शायद एक नाटो सहयोगी। हमें कई लोगों से बात करनी पड़ेगी लेकिन हो सकता है कि उसे नाटो सहयोगी बनाया जाए।'' उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद, अंतर्राष्ट्रीय अपराध, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी से लोगों की रक्षा करने के लिए पहले ही मिलकर काम कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, ''हम और भी गहरी साझीदारी करना चाहते हैं और मिलकर काम करना चाहते हैं।''बोलसोनारो को चुनाव से पहले अकसर ''ट्रॉपिकल ट्रंप'' कहा जाता था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ उनकी बैठक ने ब्राजील और अमेरिका के बीच सहयोग का नया अध्याय आरंभ किया है। बोलसोनारो ने कहा, ''यह कहना उचित होगा कि आज ब्राजील में अमेरिका-विरोधी राष्ट्रपति नहीं है, जो हालिया कुछ दशकों में वाकई अभूतपूर्व है।'' उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने सीईओ मंच को बहाल करने का फैसला किया है। दोनों नेताओं ने एक संयुक्त बयान में दोहराया कि अमेरिका और ब्राजील ''वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति जुआन गुइदो'' के साथ खड़े हैं। अमेरिका और ब्राजील ने एक प्रौद्योगिकी सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा निकट भविष्य में मिलकर उपग्रह विकसित करने के लिए नासा और ब्राजील अंतरिक्ष एजेंसी के बीच भी एक समझौता हुआ।ब्राजील पांच देशों के ब्रिक्स समूह (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) का सदस्य है और उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य बनने की कोशिश में भारत, जर्मनी, जापान के साथ हाथ मिलाया है। ऐसे में ट्रम्प के इस कदम का महत्व और बढ़ गया है।उल्लेखनीय है कि अमेरिका ब्रिक्स के दो सदस्यों रूस और चीन को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा मानता है तथा दूसरी तरफ, वह भारत और ब्राजील के साथ संबंध मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

पाक की एसैंबली में भारत विरोधी टिप्पणी से मचा बवाल, सदस्यों ने किया वॉकआउट

पेशावर।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की एसैंबली में एक विधायक द्वारा भारत व हिंदू विरोधी टिप्पणी किए जाने पर बवाल खड़ा हो गया। इस टिप्पणी के विरोध में अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों ने एसैंबली से वॉकआउट कर दिया। जानकारी के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय एसैंबली के सदस्य शेर आजम वजीर ने पाकिस्तान में हिंदुओं और भारत के खिलाफ टिप्पणियां कीं, जिन पर विधानसभा के एक अन्य सदस्य रवि कुमार ने आपत्ति जताई।कुमार ने कहा कि भारत पाकिस्तान का शत्रु है, लेकिन वह पाकिस्तान के हिंदू समुदाय को लेकर शत्रुतापूर्ण रुख नहीं रखता। वजीर ने बाद में अपने बयान पर माफी मांगी और स्पष्ट किया कि उनका अर्थ था कि भारत पाकिस्तान में हिंदू समुदाय का नहीं बल्कि पाकिस्तान का शत्रु है। सदन के अध्यक्ष मुश्ताक गनी ने वजीर के बयान को सदन की कार्यवाही से हटा दिया। खैबर

पख्तूनख्वा की प्रांतीय एसैंबली में अल्पसंख्यक समुदाय के 3 सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि पुलवामा में आतंकवादी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। 14 फरवरी को हुए इस हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे।

भारतीय सिख जगमीत सिंह ने कनाडा की संसद में रचा इतिहास

ओटावा।

भारतीय मूल के जगमीत सिंह ने कनाडा की संसद में राजनीतिक इतिहास रचते हुए देश की एक बड़ी विपक्षी पार्टी की ओर से 'हाउस ऑफ कॉमंस' में पहले अश्वेत नेता के रूप में पदार्पण किया। पगड़ीधारी नेता सोमवार को जब सदन पहुंचे तो सभी सदस्यों ने उनका स्वागत किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ जब एक वरिष्ठ महिला सदस्य को प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के मंत्रिमंडल में स्थान मिला। जगमीत सिंह (40) न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं। उन्होंने जब संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमंस' में पदार्पण किया तो उन्होंने अपने हृदय पर हाथ रखा हुआ था। वह 25 फरवरी को संघीय उपचुनाव में निर्वाचित हुए थे। निर्वाचित सांसद के रूप में सिंह के पहले शब्द न्यूजीलैंड में दो मस्जिदों पर हुए हमले के संबंध में थे। उन्होंने कहा, ''मैं क्राइस्टचर्च हमले में मुस्लिम बहन-भाइयों के मारे जाने से शोकाकुल न्यूजीलैंड के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त कर अपनी शुरुआत करना चाहता हूं।''

जिम्बाब्वे में हवा के झटके से गई सैंकड़ों लोगों की जान

हरारे।

जिम्बाब्वे में उष्णकटिबंधीय चक्रवात इडाई के कारण करीब एक झटके से ही सैंकड़ों लोगों की जान चली गई । स्थानीय सरकार के मंत्री जुलाई मोयो ने बताया कि मृतक संख्या करीब 100 है लेकिन लोगों का कहना है कि यह 300 भी पहुंच सकती है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। ' मोयो ने कहा, 'कुछ शव पानी में बह रहे हैं और कुछ बह कर मोजाम्बिक पहुंच गए हैं।' सूचना मंत्रालय के अनुसार कम से कम 217 लोग लापता हैं और 44 लोग फंसे हुए हैं। चक्रवात से पूर्व बाढ़ के कारण पहले ही देशभर में 66 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रांतीय गवर्नर अल्बर्टो मोंडलेन ने सरकारी रेडियो से कहा, 'रात भर और आज सुबह सबसे मुश्किल समय था। बहुत नुकसान हुआ है। कई घरों की छतें उड़ गई हैं। ' इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य देश में खतरनाक चक्रवात इडाई के कारण मोजाम्बिक में कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई। यहां चक्रवात के दौरान तेज हवा, भारी बारिश और बाढ़ के

कारण कई पुल नष्ट हो गए और घर पानी में बह गए। चक्रवात के बाद दर्जनों अन्य लोग लापता हैं। मोजाम्बिक की सरकारी स्वामित्व वाली जोर्नल डोमिंगो अखबार ने चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित मध्य सोफाला प्रांत में अब तक 48 लोगों के मारे जाने की खबर दी है।

संक्षिप्त समाचार

मिस्र ने मीडिया बी सोशल नेटवर्कों पर कड़े किए प्रतिबंध

काहिरा। मिस्र के शीर्ष मीडिया नियामक ने मीडिया तथा सोशल नेटवर्क साइटों पर प्रतिबंधों को और कड़ा कर दिया है। अब वह ऐसे सोशल मीडिया अकाउंटों और वेबसाइटों को अवरुद्ध कर सकता है जिनसे राष्ट्र की सुरक्षा को खतरा प्रतीत होता हो। यह असंतोष को दबाने के लिए राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी की सरकार का नवीनतम कदम है। हाल के वर्षों में मिस्र ने पत्रकारों की धरपकड़ का व्यापक अभियान शुरू किया है। इसके तहत दर्जनों मीडियाकर्मियों को जेल भेजा गया है और कुछ विदेशी पत्रकारों को देश से बाहर कर दिया गया है। नए नियम सोमवार देर रात आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित किए गए जिनसे सुप्रीम मीडिया रेगुलेटरी काउंसिल को कथित फर्जी खबर वाली वेबसाइटों और सोशल मीडिया अकाउंटों को अवरुद्ध करने की शक्ति मिल गई है। इसके तहत ढाई लाख पाउंड (मिस्र के) का भारी भरकम जुर्माना भी लग सकता है। मिस्र के पत्रकारों ने इस कदम को असंवैधानिक करार दिया है। मुख्य नियामक मकराम मोहम्मद अहमद ने मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

तुर्की में 5.5 तीव्रता का भूकंप

इस्तांबुल। दक्षिण-पश्चिमी तुर्की में भूकंप के तेज झटके महसूस किए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.5 आंकी गई। भूकंप में अब तक कोई हताहत होने की सूचना नहीं है । आपदा और आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने एक बयान में कहा, डेनिजली प्रांत के अकीपायम जिले में स्थानीय समयानुसार सुबह 9:34 बजे भूकंप आया। इस बीच, इस्तांबुल स्थित कंदिली वेधशाला और भूकंप अनुसंधान संस्थान ने अपनी वेबसाइट पर भूकंप की तीव्रता 5.7 बताई। प्रेस रिपोर्टों के अनुसार, अकीपयम के जिला महापौर हुलसी सेवकान ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी तरह की जान के नुसान की सूचना नहीं है, हालांकि छोटे गांवों की कुछ इमारतें गिर गईं या क्षतिग्रस्त हो गईं।

कजाखस्तान के राष्ट्रपति ने इस्तीफे की घोषणा की

अस्ताना। कजाखस्तान के राष्ट्रपति नूरसुल्तान नजरबायेव ने मंगलवार को अपने इस्तीफे की घोषणा करके पूरे देश को चौंका दिया। वह पिछले 30 साल से देश की सत्ता में थे। सोवियत संघ के विघटन के बाद मध्य एशिया के इस दिग्गज नेता ने कजाखस्तान पर शासन किया। उनकी यह घोषणा देश के अगले राष्ट्रपति चुनाव से एक साल पहले और गिरते जीवनस्तर को लेकर लोगों में बढ़ रहे गुस्से के बीच हुई है। राष्ट्र के नाम संबोधन में नजरबायेव ने कहा कि उन्होंने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है और कजाख सीनेट के अध्यक्ष जिम्मेदारी संभालेंगे। यह पद अभी नजबायेव के करीबी माने जाने वाले कासीम-जोमात तोकायेव के पास है। वह पूर्व प्रधानमंत्री हैं।

अमेरिका ने वेनेजुएला की सरकारी स्वर्ण खनन कंपनी पर लगाया प्रतिबंधः वित्त विभाग

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका ने मंगलवार को वेनेजुएला की एक सरकारी खनन कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया। उसका आरोप है कि उसके अवैध सोने के कारोबार का इस्तेमाल राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनके आंतरिक मित्र मंडली को बढ़ाने के लिए किया जा रहा था। वित्त मंत्री स्टीवन मेनुचिन ने इस कार्रवाई की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा, ÷ट्रेजरी, भ्रष्ट मादुरो शासन के इंद गिर्द रहने वाले लोगों को बढ़ावा देने के लिए स्वर्ण प्रसंस्करणकर्ता मिनरवेन और उसके अध्यक्ष को लक्षित कर आगे बढ़ रहा है।''

विज्ञान ने ईश्वर की हत्या नहीं कीः भौतिकशास्त्री ग्लीजर

वाशिंगटन। ब्राजीली मूल के अमेरिकी अनिश्वरवादी सैद्धांतिक भौतिकशास्त्री मारसेलो ग्लीजर (60) को मंगलवार को 'जीवन के आध्यात्मिक आयाम की पुष्टि' में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने वाले टेंपलटन पुरस्कार से सम्मानित किया गया कॉस्मोलोजी समेत कई विषयों में विशेष अध्ययन कर चुके ग्लीजर भौतिक विज्ञान और खगोल विज्ञान के प्रोफेसर हैं। वह अनिश्वरवादी हैं। उनका ईश्वर, अल्लाह या गॉड में कोई विश्वास नहीं है, लेकिन वह ईश्वर के वजूद को पूरी तरह खारिज भी नहीं करते। उनका मानना है कि विज्ञान ने किसी भी तरह से ईश्वर की हत्या नहीं की न्यू हैंपशायर यूनिवर्सिटी के डार्टमाउथ कालेज के प्रोफेसर ग्लीजर अनिश्वरवाद के विभिन्न पहलुओं की चर्चा करते हुए कहते हैं, ''अनिश्वरवाद वैज्ञानिक तरीकों के प्रति असंगत है।'' वह कहते हैं, ''अनिश्वरवाद अनास्था में एक तरह की आस्था है।

महिला ने खुद को लगाया फ्रूट जूस का इंजैक्शन

बीजिंग। चीन में सेहत को लेकर एक महिला की सनक का अजीब मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक महिला खुद को तंदरुस्त बनाने के चक्कर में अस्पताल पहुंच गई। इस महिला ने खुद को 20 फलों के रस का इंजेक्शन लगा लिया। जानकारी के अनुसार जेंग (51) नामक इस महिला को घरेलू उपचार से काफी लगाव है और उसके दिमाग में फलों के जूस का इंजेक्शन लगाने का ख्याल आया। उसने कहा कि मुझे लगा कि ताजा फल शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं और यह मेरे लिए सेहतमंद रहेंगे लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि यह इस तरह से घातक साबित हो जाएगा । दरअसल, जेंग ने 20 फलों के जूस निकालकर खुद के नसों में लगा लिया।महिला ने इस घटनाक्रम के बारे में किसी को नहीं बताया। महिला के पति ने गौर किया और उसे अस्पताल लेकर गए। इस दौरान जेंग को पांच दिन के लिए अस्पताल के आईसीयू में रखा गया। इस दौरान उसके किडनी,लीवर, हृदय और फेफड़ों का इलाज किया गया। खबरों के मुतबाकि अगर समय पर उसका इलाज नहीं किया गया होता तो उसके यह अंग काम करना बंद कर देते और वह मर गई होती। चाइनीज सोशल मीडिया पर इस खबर काफी ध्यान आकर्षित कर रही है।

घंटों ट्रेन में फंसे रहे द.अफ्रीकी राष्ट्रपति, सोशल मीडिया पर हो रहीं दिलचस्प टिप्पणियां

जोहानेसबर्ग।

यात्रियों को रोज आने वाली दिक्कतों का पता लगाने के लिए . दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने सोमवार को ट्रेन से यात्रा की। देश में मई में आम चुनाव होने हैं। रामफोसा मबोपेन से प्रीटोरिया तक गए। पहले तो राष्ट्रपति को मबोपेन में स्टेशन पर एक घंटे ट्रेन का इंतजार करना पड़ा। मबोपेन से प्रीटोरिया पहुंचने में महज 45 मिनट लगते हैं लेकिन राष्ट्रपति के बैठे होने बावजूद ट्रेन वहां 3 घंटे में पहुंची। रामफोसा की यात्रा को जर्नलिस्ट कवर कर रहे थे। उन्होंने फोटो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बताया जा रहा है कि जिस ट्रेन में राष्ट्रपति ने यात्रा की, वह रोज लेट होती है। दक्षिण अफ्रीका में ट्रेनों का पटरी से उतर जाना एक आम समस्या है। सफर खत्म होते ही रामफोसा ने रेल अफसरों से इस तरह की समस्या को तुरंत हल करने के लिए कहा। राष्ट्रपति के मुताबिक- ÷महज 50 किमी जाने में 3 घंटे लग जाएं तो इसे सही नहीं कहा जा सकता। इसे खत्म करना होगा। हम चीजों के बेहतर करने के लिए प्रासा (नेशनल रेल एजेंसी) से बात कर रहे हैं। अगर वे इसमें नाकाम रहे तो उच्चाधिकारियों को हटाया जाएगा।÷राष्ट्रपति की ट्रेन यात्रा पर लोगों ने भी ट्विटर पर टिप्पणी की। यूजर कंवरसेशनलिस्ट ने लिखा- 45 मिनट की दूरी 3 घंटे में पूरी हुई। हमारी दुनिया में आपका

स्वागत है। एक अन्य यूजर एक्टिवअफ्रीका ने कहा- रामफोसा और उनकी सत्ताधारी पार्टी अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस को कोई शर्म नहीं है। लोग सालों से प्रासा और रेलों को लेकर कई साल से रो रहे हैं।

मसूद अजहर को ग्लोबल आतंकी घोषित कराने के लिए जर्मनी ने ईयू में की पहल

इंटरनेशनल डैस्क ।

फ्रांस द्वारा पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड आतंकी मसूद अजहर के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब जर्मनी ने बड़ा कदम उठाते हुए मसूद को वैश्विक आतंकी की सूची में शामिल करने के लिए यूरोपीय यूनियन में पहल की है। राजनयिक सूत्रों के मुताबिक, जर्मनी ने आतंकी मसूद अजहर को यूरोपीय यूनियन में ग्लोबल आतंकी की लिस्ट में डालने के लिए कई अन्य राष्ट्रों से संपर्क किया है। अगर जर्मनी की पहल कामयाब होती है तो यूरोपीय यूनियन में शामिल 28 देशों में उसकी संपत्ति जब्त हो जाएगी और वह उन देशों की यात्रा भी नहीं कर पाएगा बता दें कि इससे पहले यूएन में अजहर को ग्लोबल आतंकी घोषित कराने की पहल को चीन ने वीटो कर दिया था। राजनयिक सूत्रों ने बताया कि जर्मनी ने अजहर को यूरोपीय यूनियन द्वारा प्रतिबंधित कराने के लिए प्रस्ताव रखा है। लेकिन अब तक जर्मनी की पहल पर कोई रेजोल्यूशन नहीं आया है। उन्होंने बताया कि यूरोपीय यूनियन (श्व) के सभी 28 देशों के समर्थन के बाद ही प्रस्ताव पास होगा। यूरोपीय यूनियन में इस तरह के मामलों पर आम सहमति के आधार पर फैसला होता है। 15 मार्च को फ्रांस ने अजहर पर आर्थिक प्रतिबंध लगाया है। फ्रांस ने कहा है कि वह जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख को श्व की आतंकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्ति और संगठनों की लिस्ट में डालने के लिए यूरोपीय यूनियन के अन्य देशों के साथ मिलकर काम करेगा। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में चीन ने अजहर को ग्लोबल आतंकी घोषित करने की ताजा पहल पर वीटो कर दिया था। इससे यह प्रस्ताव गिर गया था। उसके बाद ही फ्रांस की ओर से यह बात कही गई थी। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध कमिटी के तहत अजहर पर बैन का प्रस्ताव रखा गया था। यह प्रस्ताव पुलवामा आतंकी हमले के बाद फ्रांस, इंग्लैंड और अमेरिका की ओर से पेश किया गया था।

पुलवामा आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे। जैश-ए-मोहम्मद ने पुलवामा हमले की जिम्मेदारी ली थी। यूएन सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 14 ने प्रस्ताव का समर्थन किया था। लेकिन चीन एकमात्र ऐसा देश था जिसने प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था।

पाकिस्तान हवाई क्षेत्र प्रतिबंध से मार्ग बंद, एयरलाइनों को हो रहा है नुकसान

कराची। पाकिस्तान हवाई क्षेत्र में प्रतिबंध की वजह से कई विमान मार्ग प्रभावित हो रहे है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव के बाद से यह स्थिति बनी हुई है। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने कहा था कि उन्होंने पूरे तरीके से देश का हवाई क्षेत्र खोल दिया है। इसके कई सप्ताह बाद भी यह प्रतिबंध है। पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एएफपी को नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया,'' भारत से आने वाली और यहां से भारत जाने वाली सभी उड़ानों के प्रवेश और बाहर निकलने वाले क्षेत्र में प्रतिबंध है।'' उन्होंने कहा कि इसकी समीक्षा नियमित तौर पर की जाती है। पाकिस्तान के पूर्वी हवाई क्षेत्र बंद होने से इस्लामाबाद और लाहौर की तरफ आने वाले और जाने वाले मुख्य हवाई मार्ग बंद हो गए हैं। पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन के प्रवक्ता मशुद तजवार ने बताया, '' कम से कम सात घरेलू और चार अंतरराष्ट्रीय स्थानों की उड़ानें रद्द हैं।'' तजवार ने एएफपी को बताया,''हम नुकसान का आंकड़ा नहीं दे सकते हैं लेकिन यह निश्चित है कि नुकसान हो रहा है।'' करीब एक महीने से भारत, बैंकॉक, कुआलालंपुर की उड़ानें रद्द हैं।उड्डयन विशेषज्ञों ने बताया कि इस प्रतिबंध की वजह से पाकिस्तान से गुजरने वाले भारतीय विमान भी प्रभावित हुए हैं। सरकारी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) के पूर्व प्रमुख साजिद हबीब ने कहा,'' भारतीय एयरलाइन पाकिस्तान की तुलना में ज्यादा प्रभावित हो रही हैं क्योंकि पाकिस्तान के मुकाबले पश्चिम की ओर जाने वाले उनके उड़ानों की संख्या ज्यादा है।''

पाकिस्तान की भारत के खिलाफ नई साजिश का पर्दाफाश, मदद कर रहा चीन

इस्लामाबाद।

पुलवामा हमले के जबाव में भारतीय वायु सेना द्वारा बालाकोट में जैश-ए मोहम्मद के आतंकी कैंपों पर स्ट्राइक से पाकिस्तान सरकार और सेना बौखला गई है। आतंकवाद को लेकर भारत द्वारा बनाए दबाव के बाद पाक बाहरी तौर पर तो शांति बनाए रखने का दावा कर रहा है लेकिन दूसरी तरफ उसकी भारत के खिलाफ नई साजिश का पर्दाफाश हो गया है। अपनी नई चाल के तहत पाकिस्तानी सेना लाइन ऑफ कंट्रोल के उस पार कई जगहों पर भारी हथियारों से लैस यूएवी यानी ड्रोन तैनात करने में जुटी है। इस संबंध में सीमा सुरक्षा बल ने अपनी रिपोर्ट सुरक्षा महकमे में शेयर की है। ड्रोन क्षमता को बढ़ा रहा पाक :इस रिपोर्ट से पता चला है कि पाकिस्तान पुंछ, राजौरी, उरी, नौशेरा और सुंदरबनी जैसे करीब दर्जन भर जगहों पर आर्म्ड यूएवी तैनात करने में जुटा है। बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान ने भारत की एयर स्ट्राइक के बाद कई जगहों पर ड्रोन उड़ाए थे, जिन्हे भारतीय जांबाजों ने सीमा पर ही मार गिराया था। सबसे पहले पाकिस्तान के ड्रोन ने गुजरात में घुसपैठ करने की जुर्रत की से सेना की सजगता ने विफ़ल कर दिया। अब रिपोर्ट है कि पाकिस्तान अपनी ड्रोन क्षमता को बढ़ाने में लगा है। पाकिस्तान के पास इस समय ष्टड्ड बराक किस्म के ड्रोन हैं जो टोह लेने के लिए काम में लाए जाते हैं।लेकिन पाकिस्तान अब आने वाले दिनों में अपनी ड्रोन क्षमता बढ़ाने की कोशिश में लगा है। चीन से डील की कोशिशः रिपोर्ट तो ये भी हैं कि चीन से नए तरीके के आर्म्ड ड्रोन खरीदकर पाकिस्तान एलओसी पर भारी संख्या में तैनाती करने में जुटा है। इस रिपोर्ट के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां और ज्यादा चौकन्नी हो गई हैं और बीएसएफ, सेना और वायु सेना को अलर्ट कर दिया गया है।

पाकिस्तान चीन से विंग लूंग-2 किस्म के 48 ड्रोन खरीदने के लिए भारी कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान की ये डील पिछले साल अक्टूबर नवंबर महीने से चीन के साथ चल रही है। चीन ने अपने सबसे खास सहयोगी पाकिस्तान को 48 अत्याधुनिक सैन्य ड्रोन बेचने का फैसला किया है. विंग लूंग-2 ड्रोन को लेकर हुए इस समझौते पर जानकारों का कहना है।

शहर में और एक की स्वाइन फ्लु से मौत, 15 नए केस

सूरत। एक तरफ राज्य सरकार स्वाइन फ्लु का नाम बदलकर सीजनल फ्लु का नाम दे रही है। वहीं दूसरी ओर सूरत शहर सहित पूरे राज्य में स्वाइन फ्लु कहर बरपा रहा है। मंगलवार को शहर में और एक स्वाइन फ्लु मरीज की मौत हो गई। वहीं 15 नए केस दर्ज हुए हैं। गत ढ़ाई माह में 350 केस दर्ज हुए हैं। अभी तक 7 की मौत हुई है। मंगलवार को शहर में एक 43 वर्षीय युवक की मौत के साथ शहर में 12 और जिले में 3 नए केस दर्ज हुए थे। इसमें वीआईपी रोड पर 55 वर्षीय अधेड़, अठवा में 63 वर्षीय वृद्ध, अलथाण में 52 वर्षीय अधेड़, भटार में 64 वर्षीय वृद्ध, सलाबतपुरा में 5 वर्षीय बालिका, वराछा में 28 वर्षीय महिला, पूणागाम में 42 वर्षीय महिला, हीराबाग में तीन वर्ष का बालक, कोजवे रोड पर 39 वर्षीय युवक, उधना में 26 वर्षीय महिला, रांदेर में 64 वर्षीय वृद्ध महिला और पालनपोर में 48 वर्षीय महिला का स्वाइन फ्लु का रिपोर्ट पॉजिटिव आया। वहीं कामरेज जिले में 49 वर्षीय महिला और 10 वर्षीय बालक और मांगरोल में 9 वर्षीय बालक का स्वाइन फ्लु का रिपोर्ट पॉजिटिव आया।

ट्रेन के दरवाजे पर यात्रा से छात्र की मौत

सूरत। सूरत के किम और कोसंबा के बीच ट्रेन के दरवाजे पर लटक कर यात्रा कर रहे एक विद्यार्थी की पोल से टकराकर मौत हो गई। पोल से टकराकर विद्यार्थी का सिर कोच में गिरा और धड़ नीचे गिर गया।

जानकारी के अनुसार होली की छुट्टियों को चलते भरुच में पढ़ाई कर रहा एक विद्यार्थी ट्रेन में अपने घर लौट रहा था। होली-धुलेटी त्यौहार चलते ट्रेन में काफी भीड़ होने की वजह से विद्यार्थी ट्रेन के दरवाजे पर लटक यात्रा कर रहा था। रास्ते में किम और कोसंबा के बीच विद्यार्थी का सिर पोल से टकराकर अलग हो गया। हादसे के बाद युवक का सिर ट्रेन के कोच में और धड़ नीचे गिर गया। खबर मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की प्राथमिक जांच में मृत युवक भरुच की एक कॉलेज में इंजीनियरींग का छात्र था, जो होली-धुलेटी मनाने में अपने घर जा रहा था।

भाजपा का विजय संकल्प सम्मेलन 24 से

सूरत। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भाजपा ने 24 से 26 मार्च के दौरान गुजरात की सभी 26 सीटों पर विजय संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता भरत पंड्या ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यू इंडिया के निर्माण में भाजपा के साथ जनभागी को जोड़ने के उद्देश्य से मेरा देश बदल रहा है की जनभावना उजागर करने के लिए तीन दिवसीय विजय संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसमें बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं से लेकर सभी पदाधिकारियों, मंत्री और संगठन के पदाधिकारियों, समर्थक शामिल होंगे। भाजपा को यकीन है कि नरेन्द्र मोदी को फिर एक बार प्रधानमंत्री बनाने गुजरात की सभी 26 सीटों पर राज्य के मतदाता भाजपा को विजयी बनाएंगे। भरत पंड्या ने कहा कि विजय संकल्प सम्मेलन में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 24 मार्च को मेहसाणा, 26 मार्च को साबरकांठा में मौजूद रहेंगे। जबकि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जीतु वाघाणी 24 को सुरेन्द्रनगर, वडोदरा और पोरबंदर में, केन्द्रीय मंत्री सुरेश प्रभु राजकोट में, केन्द्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला सूरत, बनासकांठा और राजकोट में, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया जूनागढ़ और भरुच लोकसभा क्षेत्र में और उप मुयमंत्री नितिन पटेल 24 मार्च को मेहसाणा, 25 मार्चको पाटण और 26 मार्च को जामनगर लोकसभा निर्वाचनक्षेत्र में आयोजित विज संकल्प सम्मेलन में शामिल होकर मार्गदर्शन देंगे। इसके अलावा राज्य सरकार के मंत्री और प्रदेश भाजपा के पदाधिकारी संबंधित लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होनेवाले विजय संकल्प सम्मेलन में शामिल होंगे।

आडवाणी के चुनाव लड़ने पर अभी कोई फैसला नहीं

अहमदाबाद । बीजेपी की ओर से लोकसभा चुनावों के लिए अभी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट तैयार की जा रही है, लेकिन पार्टी के पितामह कहे जाने वाले लालकृष्ण आडवाणी को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है। गुजरात की गांधीनगर सीट से चुनाव लड़ते रहे आडवाणी को लेकर स्थिति साफ नहीं है कि वह इस बार भी चुनाव लड़ेंगे या फिर चुनावी राजनीति से हट जाएंगे। देश के गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री रहे ९१ वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी लगातार ६ बार गांधीनगर लोकसभा सीट से चुनाव ज ीत चुके हैं।

१९८० के दशक के अंतिम वर्षों में और १९९० के दशक में बीजेपी को देशभर में उभारने और राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख रहे लालकृष्ण आडवाणी को बीजेपी के विस्तार का श्रेय दिया जाता है । १९८४ में बीजेपी को दो सीटों से १८० सीटों तक पहुंचाने वाले लालकृष्ण आडवाणी फिलहाल राजनीति के केंद्र में नहीं हैं । २०१४ में पीएम नरेन्द्र मोदी की उम्मीदवारी का विरोध किए जाने के बाद से वह पार्टी में भी एक तरह से हाशिये पर ही हैं । बढ़ती उम्र के चलते आडवाणी के चुनाव में उतरने या फिर न उतरने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उनके निजी सचिव दीपक चोपड़ा ने कहा, अभी इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है । कोई ऑफर आता है तो फिर वह चुनाव लड़ने या फिर न लड़ने पर फैसला लेंगे ।इस बीच पार्टी सूत्रों का कहना है कि चुनाव मैदान में प्रत्याशियों को उतारने के लिए उम्र कोई पैमाना नहीं है । इसका पैमाना उम्मीदवार की जीतने की क्षमता है । यह पूछे जाने पर कि क्या आडवाणी की लोकसभा उम्मीदवारी को लेकर पार्टी ने कुछ बात की है उनके सचिव ने कहा, न तो अब तक पार्टी ने ही इस मसले पर उनसे संपर्क किया है और न आडवाणी ने ही इस संबंध में पार्टी से बात कही है । गुज रात बीजेपी के कुछ नेताओं का कहना है कि आडवाणी खुद ही बढ़ती उम्र के चलते चुनाव लड़ने से किनारा कर सकते हैं। अब तक बीजेपी पर्यवेक्षकों के समक्ष आडवाणी ने गांधीनगर सीट से चुनाव लड़ने को लेकर कोई दावा नहीं किया है ।

बारडोली सीट के चुनाव में 2606 दिव्यांग मतदाता

सूरत। आगामी 23 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के दौरान 23-बारडोली संसदीय मत विस्तार के चुनाव में इस मतक्षेत्र में 2606 दिव्यांग मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल को आयोजित 23-बारडोली संसदीय मतक्षेत्र चुनाव के दौरान कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित न रह जाए इसका विशेष याल रखा जा रहा है। दिव्यांग मतदाताओं के लिए चुनाव आयोग द्वारा विशेष ध्यान रखा जा रहा है। प्रशासन द्वारा दिव्यांग मतदाताओं की पहचान कर उन्हें इस पर्व में शामिल होने के लिए विशेष आवश्यक सुविधाओं पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

सूरत। बुधवार को होली का त्यौहार हर वर्ष की भांती बड़े ही धुमधाम से मनाया गया। शहर में होलीका दहन करने महादेव नगर के वासी।

गोधरा कांड में याकूब पटालिया को आजीवन कारावास की सजा

अहमदाबाद । २००२ के गोधरा कांड में अहमदाबाद की एक विशेष एसआईटी अदालत ने बुधवार को याकूब पटालिया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई । जानकारी के मुताबिक, साबरमती केंद्रीय जेल परिसर में अतिरिक्तिसेशन जज एचसी वोरा ने गोधरा कांड के एक अन्य दोषी को आजीवन कैद की सजा सुनाई है । करीब १६ साल से फरार याकूब अब्दुल गनी पटालिया साबरमती एक्सप्रेस के एस ६ कोच पर पथराव व तोड़फोड़ कर पेट्रोल डालकर जलाने में शामिल था, इस घटना में ५८ कारसेवक जिंदा जल गए थे । अहमदाबाद के साबरमती जेल में स्पेशल एसआईटी कोर्ट में गए याकूब अब्दुल गनी पटालिया को भारतीय दंड संहिता की धारा ३०२, १२०बी,१४९ तथा रेलवे एक्ट व डेमेज पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट के तहत दोषी मानते हुए आजीवन कैद की सजा सुनाई । सरकारी वकील नरेन्द्र प्रजापति ने बताया कि आरोपित याकूब लंबे समय से फरार था । २७ फरवरी, २००२ को गोधरा स्टेशन पर कारसेवकों को जिंदा जलाने की साजिश में वह शामिल था । २६ फरवरी को स्टेशन के पास अमन गेस्ट हाउस पर १४० लीटर पेट्रोल एकत्र कर गोधरा स्टेशन के आगे साबरमती एक्सप्रेस को रोककर हमला कर पेट्रोल डालकर जलाने की साजिश में वह शामिल था । इस मामले में विशेष अदालत की ओर से ११ को फांसी व २२ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। आठ आरोपित अभी भी फरार हैं । गुजरात के गोधरा में वर्ष २००२ में हुए ट्रेन अग्निकांड के मामले में पुलिस की एक टीम ने आरोपित याकूब पटालिया (६३) को गोधरा से गिरफ्तार किया था । याकूब पटालिया पर उस भीड़ में शामिल होने का आरोप है जिसने २७ फरवरी २००२ को गोधरा रेलवे स्टेशन के पास साबरमती एक्सप्रेस के डिब्बों में आग लगाई थी। याकूब के खिलाफ सितंबर २००२ में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी । उसके खिलाफ आईपीसी और रेलवे कानून के विभिन्न प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं । पुलिस ने बताया कि वह घटना के बाद से ही फरार था । साल २००२ में गोधरा में ट्रेन के डिब्बे जलाने के मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने ११ दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया था । हाई कोर्ट ने फैसले के दौरान कहा था कि इस मामले में अब किसी भी दोषी को फांसी की सजा नहीं दी जाएगी ।

उन पाटिया के बंद मकान से हजारों की चोरी

सूरत। उन पाटिया आस्मा नगर के बंद मकान को चोरों ने निशाना बनाकर नगद 20 हजार और गहने समेत 46 हजार के सामान की चोरी कर ली और फरार हो गए।

सचिन जीआइडीसी पुलिस के पास से मिली जानकारी के अनुसार उन पाटिया आस्मा नगर के बंद मकान को गत रात में चोरों ने निशाना बनाया। मु य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुसे अज्ञात ने तिजोरी से नगद 20,000 और गहने समेत 46 हजार के सामान की चोरी कर ली। घटना के संबंध में पुलिस ने मकान मालिक के भाई जावेद वली मोह मद खोरजिया (निवासी- हीदायतनगर, उन पाटिया की शिकायत लेकर जांच शुरू की है।

दमण पुलिस ने एक्टिवा चोरी के आरोपी को पकडा

दमण। दमण पुलिस ने सम्राट होटल की पार्किंग से चोरी होने वाली एक्टिवा के चोर को कपराडा से पकड कर कोर्ट में पेश किया। जहां उसे 2 दिन की रिमांड में भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक, गुलाबसिंह धुकसिंह भायल निवासी दिलीपनगर ने नानी दमण पुलिस स्टेशन में अपनी होण्डा एक्टिवा चोरी होने का मामला दर्ज कराया। गुलाब सिंह धुक सिंह भायल ने बताया कि उन्होंने अपनी एक्टिवा नंबर डीडी-03 जे-3563 को सम्राट होटल के पार्किंग एरिया में पार्क किया था। जिसे किसी बदमाश ने चोरी कर ली।

पुलिस ने आईपीसी की धारा 379 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच दौरान पुलिस ने गुजरात के कपराडा से शंकास्पद युवक उमेश जानु भौया उम्र 21 साल को पकडा। पूछताछ के दौरान युवक ने एक्टिवा चोरी करने की बात कबूली।

दमण से वलसाड जा रही एसटी बस से स्टेटिक सर्विलेन्स टीम ने पकडी अवैध शराब

दमण। लोकसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। शराब तस्करी जैसी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए जहां संघ प्रशासन की पैनी नजर है। वहीं वलसाड पुलिस विभाग सतर्क है। इसी कडी में आज स्टेटिक सर्विलेन्स टीम ने चैकिंग दौरान दमण से वलसाड जा रही एसटी बस को रुका कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक बैग से अवैध शराब बरामद हुई। टीम ने शराब को जप्त कर आगे की कार्यवाही एक्साइज विभाग को सौंप दी है।

फिलहाल एक्साइज विभाग एवं स्टेटिक सर्विलेन्स की टीम शराब हेराफेरी एवं तस्करी को लेकर सतर्क है। जगह-जगह पुलिस की चेकिंग कर रही है। आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**